

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-२४

दिनांक- शुक्रवार, २६ मार्च, २०२१



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.3 एवं 19.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 74 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 35 प्रतिशत, हवा की औसत गति 12.0 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 4.2 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 9.0 घंटा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 22.7 एवं दोपहर में 32.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(27-31 मार्च, 2021)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 27-31 मार्च, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 33 से 37 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 19 से 21 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 9 से 14 कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से अगले दो दिनों तक पछिया हवा तथा उसके बाद पुरवा हवा चलने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 40 से 50 प्रतिशत तथा दोपहर में 25 से 30 प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- मक्का तथा सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सब्जियों की फसल में कीट एवं रोग-व्याधि से बचाव हेतु नियमित रूप से फसल की देख-रेख करें।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई प्राथमिकता देकर 10 अप्रैल से पहले संपन्न करें। खेत की जुताई में 20 किलो ग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विषाल, सम्राट, एस०एम०एल०-668, एच०यू०एम०-16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद-19, पंत उरद-31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुषंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20-25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30-35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30 ग10 से०मी० रखें।
- बैंगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू फल में घुसकर अन्दर से खाकर पूरी तरह फल को नष्ट कर देते हैं, जिससे प्रभावित फलों की बढ़वार रुक जाती है और वे खाने लायक नहीं रहते। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर सर्वप्रथम कीट से क्षतिग्रस्त तना एवं फलों की तुराई कर नष्ट कर दें एवं उसके बाद स्पिनेसेड 48 ई०सी०/ 1 मि०ली० प्रति 4 लीटर पानी की दर से या क्वीनालफॉस 1.5 मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- ओल की फसल की बुआई करें। बुआई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुषंसित है। प्रत्येक 0.5 किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75x75 से० मी० रखें। 0.5 किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करें। वीज दर 80 किंवल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। बुआई से पूर्व प्रति गड्ढा 3 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर, 20 ग्राम अमोनियम सल्फेट या 10 ग्राम युरिया, 37.5 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं 16 ग्राम पोटेषियम सल्फेट का व्यवहार करें। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के 5.0 ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर 20-25 मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में 10-15 मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की बुआई अविलंब संपन्न करें। विगत माह बोयी गई सब्जियों की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें। इन फसलों में कीट की निगरानी करें। कीट का प्रकोप फसल में दिखने पर मैलाथियान 50 ई०सी० या डाइमेटोएट 30 ई०सी० दवा का 1 मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की छोटे-छोटे पौधों में लाल भृंग कीट की निगरानी करें। पौधों की प्रारंभिक अवस्था में इस कीट से फसल को काफी नुकसान होता है। गाय के गोबर की राख में थोड़ा किरासन मिलाकर पौधों पर सुबह में मुरकाव करने से इस कीट का आक्रमण कम हो जाता है। अधिक नुकसान होने पर क्लोरोपायरीफास 2 प्रतिषत धूल दवा का 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से पौधों की जड़ों के पास मिट्टी में मिला देने से इस कीट विषु नष्ट हो जाते हैं। पत्तियों पर डाइक्लोरवॉस 76 ई०सी० का 1 मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमान: 32.5 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.3 डिग्री कम

आज का न्यूनतम तापमान: 17.6 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.9 डिग्री अधिक

(डा० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डा० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी